StarzSpeak

Saraswati Mata Aarti

जय सरस्वती माता,
मैया जय सरस्वती माता।

सदगुण वैभव शालिनी,
त्रिभुवन विख्याता॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

चन्द्रवदनि पद्मासिनि,
द्युति मंगलकारी।

सोहे शुभ हंस सवारी,
अतुल तेजधारी॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

बाएं कर में वीणा,
दाएं कर माला।

शीश मुकुट मणि सोहे,
गल मोतियन माला॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

देवी शरण जो आए,
उनका उद्धार किया।

पैठी मंथरा दासी,
रावण संहार किया॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

विद्या ज्ञान प्रदायिनि,
ज्ञान प्रकाश भरो।

मोह अज्ञान और तिमिर का,
जग से नाश करो॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

धूप दीप फल मेवा,
माँ स्वीकार करो।

ज्ञानचक्षु दे माता,
जग निस्तार करो॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

माँ सरस्वती की आरती,
जो कोई जन गावे।

हितकारी सुखकारी
ज्ञान भक्ति पावे॥

॥ जय सरस्वती माता ॥

जय सरस्वती माता,
जय जय सरस्वती माता।

सदगुण वैभव शालिनी,
त्रिभुवन विख्याता॥

॥ जय सरस्वती माता ॥
॥ इति श्री सरस्वती आरती ॥